नव भारत, भोपाल
-6 APR 2011

पिछले वर्ष के मुकाबले आठ सौ प्रतिशत अधिक निवेश

प्रदेश में 397 मिलियन डालर का हुआ निवेश

भोपाल, 5 अप्रैल वैश्विक परिदृश्य पर मध्यप्रदेश की पहचान एक निवेश मित्र राज्य के रूप में स्थापित हुई है. राज्य में पिछले वर्ष के मुकाबले वर्ष 2010-11 में आठ सौ प्रतिशत अधिक विदेशी निवेश हुआ है. यह राज्य शासन के मध्यप्रदेश में पूंजी निवेश आकर्षित करने के अनवरत अभियान का नतीजा है.

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद में प्रस्तुत किये गये प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2010-11 में मध्यप्रदेश में 397 मिलियन अमेरिकी डालर का निवेश हुआ. यह पिछले वर्ष के मुकाबले 800 फीसदी निवेश की बढ़ोतरी है. प्रायः यह माना जाता है कि देश के महानगरों सहित महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक आदि राज्य विदेशी निवेशकों की पहली पसंद हैं लेकिन आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं कि अब इसमें परिवर्तन हुआ है. यही नहीं बल्कि विदेशी निवेशकों से मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल को पहले की अपेक्षा बीते वर्ष में महानगरों की अपेक्षा ज्यादा महत्व मिला है.

वहीं दूसरी ओर सेन्टर फॉर मॉनीटरिंग ऑफ इण्डियन इकॉनामी (सीएमआईई) के अनुसार मध्यप्रदेश राज्यों में निवेश की दृष्टि से देश के शीर्ष दस राज्यों में शामिल है. सीएमआईई के ताजा प्रतिवेदन के अनुसार मध्यप्रदेश में दिसम्बर 2010 तक 4,98,972 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश हुआ है. यह भी उल्लेखनीय है कि इस समय प्रदेश में 10 बड़ी सीमेंट परियोजनाएं क्रियान्वित हो रही हैं जिनमें से प्रत्येक परियोजना की प्रस्तावित उत्पादन क्षमता दो मिलियन टन से अधिक है.

दरअसल पिछले वर्ष अक्टूबर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट खजुराहो में 18 औद्योगिक कम्पनियों ने प्रदेश के 9 जिलों में 25726 करोड़ रुपये की लागत से 21 नये सीमेंट प्लांट स्थापित करने के करार किये हैं. इस तरह मध्यप्रदेश सीमेंट उत्पादन के क्षेत्र में देश में प्रथम राज्य के रूप में स्थापित होने की पूरी संभावना है. अभी मध्यप्रदेश देश का तीसरा सर्वाधिक सीमेंट उत्पादक राज्य है.